राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल

सम्पर्क सरिता

वर्ष–19, अंक–04 अक्टूबर–दिसंबर 2018

प्रबंधकीय कौशल पर प्रशिक्षण

शिक्षकों में प्रबंधकीय कौशल आवश्यक:– प्रो. वीरेन्द्र कुमार

संस्थान के प्रबंधन विभाग द्वारा "भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम" (आईटेक) के तहत विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा

कार्यक्रम को संबोधित करते प्रो. वीरेन्द्र कुमार

प्रायोजित "शिक्षाविदों और प्रशासकों के प्रबंधकीय कौशल" विषय पर 10 से 21 दिसंबर 2018 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में नामीबिया, पनामा, ट्यूनीसिया, थाईलेण्ड, जॉर्डन, इथियोपिया, सेशेल्स, रूस, जिम्बाब्वे, फिलिस्तीन, ट्रिनिडाड एण्ड टोबेगो, केन्या एवं नाईजीरिया से आये 19 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उदघाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. वीरेन्द्र कुमार, संचालक, तकनीकी शिक्षा मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा किया गया। उन्होंने अपने उदघाटन भाषण में कहा कि सभी प्रकार के शिक्षकों के पास प्रबंध कौशल तो होना ही चाहिये। यह एक उपयोगी प्रशिक्षण विषय है। उन्होंने एक अच्छे शिक्षक में पॉच प्रकार के गुण होने पर जोर दिया। जिसमें विषय वस्तु का अच्छा ज्ञान, सीखने सिखाने के गुण, विशिष्ट योग्यताओं पर अंतःविचार, दूसरों के प्रति संवेदना, वचनबद्धता एवं प्रबंध योग्यता शामिल हैं। उन्होंने प्रबंध एवं प्रशासनिक गुणों, योजना बनाना,

कार्यक्रम को संबोधित करते आईआईएम, इंदौर के कर्नल जी.पी. पमिधि

समन्वयन, नेतृत्व आयोजन, जानकारी प्रदान करना, निर्णय लेना एवं अंतः वैयक्तिक संबंध आदि पर भी प्रकाश डाला।

उदघाटन समारोह में संस्थान के प्रभारी निदेशक प्रो. डी.एस. करौलिया ने आपसी सहयोग एवं नेटवर्किंग पर प्रकाश डाला एवं कहा कि इससे व्यक्तिगत एवं समूह की क्षमता का दोहन किया जा सकता है।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज नेहरू, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास आदि विषयों पर बोलते हुए कहा कि भारत में कौशल विकास कर युवाओं के लिये रोजगार का सृजन किया जा सकता है। शिक्षकों के पास डिग्री तो होती है लेकिन प्रबंध कौशल के लिये इस प्रकार के कार्यक्रम होना आवश्यक है।

समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. सी. थंगराज ने की। उन्होंने कार्यक्रम के बारे में बताया कि निटर की इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने की विशेषता रही है एवं भाषा की भिन्नता होने के बाद भी हमारे प्रशिक्षणार्थी यहां से बहुत कुछ सीख कर जाते हैं। प्रो. थंगराज ने इस कार्यक्रम के सफल संचालन के लिये डॉ. रोली प्रधान की सराहना की।

प्रो. राज नेहरू का स्वागत करते प्रो. सी. थंगराज

आइटेक की समन्वयक प्रो. चंचल मेहरा ने इस योजना की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों ने मंडीदीप स्थित दौलतराम इंजीनियरिंग सर्विसेज (प्रा.) लिमिटेड का भ्रमण किया। अध्ययन भ्रमण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों ने भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर में भी ओपन लर्निंग रिसोर्सेज की जानकारी ली। इसके अतिरिक्त विश्व धरोहर में शामिल साँची एवं भीमबैठका पर्यटन स्थलों का भ्रमण किया। विभिन्न देशों के प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम के विषय एवं शैक्षणिक भ्रमण को अत्यंत लाभप्रद बताया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. रोली प्रधान थी। संकाय सदस्यों में डॉ. पराग दुबे,

डॉ. बी.एल. गुप्ता, डॉ. आर.बी. शिवगुण्डे एवं डॉ. आशीष देशपाण्डे ने प्रशिक्षण में अपना योगदान दिया। डॉ. राजेश पी.खंबायत, संयुक्त निदेशक, पंडित सुन्दरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल द्वारा एक विशेष व्याख्यान दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान विभाग के सभी कर्मचारियों द्वारा अपना सहयोग प्रदान किया गया।

डॉ. राज नेहरू, कुलपति, श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, गुरूग्राम के साथ परिचर्चा

कार्यक्रम को संबोधित करते प्रो. राज नेहरू

संस्थान के निदेशक, अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्षों के साथ डॉ. राज नेहरू की परिचर्चा दिनांक 21 दिसंबर 2018 को आयोजित की गई। इस परिचर्चा में संस्थान के निदेशक प्रो. सी. थंगराज ने जर्मन मॉडल ऑफ एजूकेशन की चर्चा की, जिसे श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, गुरूग्राम में क्रियान्वित किया जा रहा है। प्रो. थंगराज ने कौशल विकास एवं रोजगार की तीन लेयर पर बात की। प्रो. थंगराज ने बताया कि निटर भोपाल वीडियो लेक्चर, रिकार्डिंग, लर्निंग रिसोर्सेस विकास आदि पर भी कार्य करता है। प्रो. शशिकांत गुप्ता, प्रो. पराग दुबे, प्रो. जोशुआ अर्नेस्ट ने कौशल विश्वविद्यालय के करीकुलम, टीचिंग लर्निंग प्रोसेस एवं असेसमेन्ट के बारे में डॉ. राज नेहरू से कौशल विकास के परिपेक्ष्य में प्रश्न किये। डॉ. राज नेहरू ने विश्वविद्यालय की शुरूआत की जानकारी प्रदान की। हरियाणा में एक सर्वे किया गया जिसमें पता चला कि कौशल तो है परन्तु प्रमाण–पत्र नही हैं। सभी स्नातक करने की चाह रखते हैं। हरियाणा यूथ एसप्रेशन सर्वे मेपिंग ऑफ करिकुलम एवं एजूकेटर एवं एम्प्लायर तीनों अलग–अलग रूप से कार्य करते है। डॉ. राज नेहरू ने पाँच पी जो कि पेराडाइम, प्रोग्रेशन, पेरिटी, प्रेक्टिस एवं पेनेट्रैशन पर कौशल विकास पर चर्चा की। डॉ. राज ने हीरो मोटर्स के साथ उनके सहयोग के अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि सभी शिक्षक दो सप्ताह की ऑन द जॉब ट्रैनिंग करते हैं। सभी कार्यक्रम एनपीएसक्यूएफ एवं यूरोप एनओसी स्टेन्डर्ड के लेवल पर ले आना चाहते हैं। वह एक कौशल स्कूल का केम्पस बनाना चाहते हैं। वोकेशनल टीचर ट्रैनिंग मॉडल, वोकेशनल असेसमेन्ट, वोकेशनल कंटेन्ट, वोकेशनल मूक्स, 40 क्लासरूम एवं 60 प्रतिशत ऑन द जॉब कंटेन्ट फोकसिंग एवं स्किलिंग पर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने भारत की शैक्षिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के बारे में प्रतिभागियों को बताया और एक अच्छे प्राध्यापक के गुणों एवं सीखने की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र प्रदान किये। डॉ. राज ने श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की एवं बताया कि यह विश्वविद्यालय एनआईटीटीटीआर, भोपाल के साथ किस प्रकार का सहकार्य कर सकती है, उन बिन्दुओं को अंकित किया गया, जिसकी इलेक्ट्रानिक मीडिया विभाग के स्टूडियों में रिकार्डिंग भी की गई ।

श्रीलंका के प्रतिनिधियों का संस्थान में भ्रमण

श्रीलंका के प्रतिनिधियों ने दिनांक 29 नवंबर, 2018 को निटर भोपाल का भ्रमण किया। सर्वप्रथम प्रतिनिधि मंडल ने निदेशक महोदय डॉ. सी. थंगराज से भेंट कर संस्था की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। निदेशक महोदय ने प्रतिनिधियों की अपेक्षाओं को भी जाना। तत्पश्चात् संस्था के प्रबंध विभाग में श्रीलंका के प्रतिनिधियों की संस्था के छह टास्क ग्रुप के लीडर्स के साथ संक्षिप्त परिचर्चा का आयोजन किया। प्रो. बी.एल.गुप्ता, अधिष्ठाता अकादमिक एवं अनुसंधान ने संस्थान की शोध एवं विकास की गतिविधियों पर संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। प्रो. गुप्ता ने बताया कि एनआईटीटीटीआर, भोपाल नीड एनॉलिसिस, इंपेक्ट असेसमेंट, ट्रेसर स्टडी एवं एक्शन रिसर्च के साथ साथ तकनीकी क्षेत्र में भी शोध करता है। प्रो. गुप्ता ने संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में बताया कि प्रशिक्षणार्थियों के पंजीयन, फीस जमा करने, फीडबैक प्राप्त करने की संपूर्ण प्रक्रिया ऑनलाईन है एवं सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम मूल्यांकन आधारित हैं। प्रो. गुप्ता ने मानव संसाधन मंत्रालय के एवं एआईसीटीई के ऑनलाईन पोर्टल स्वयं की जानकारी भी दी एवं इस पोर्टल पर चल रहे संस्था के दो प्रशिक्षण कार्यक्रम 'एक्रीडिटेशन फॉर डिप्लोमा इंजीनियरिंग' प्रोग्राम एवं एक्रीडिटेशन फॉर अंडर ग्रेजुएट कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की। तत्पश्चात् प्रो. के.के.जैन, प्रो. जोशुआ अर्नेस्ट, प्रो. डी.एस.करौलिया, प्रो. आर.के.दीक्षित एवं प्रो. अस्मिता खजांची ने भी प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। इस अवसर पर प्रो.

प्रतिनिधियों का स्वागत करते निदेशक डॉ. सी. थंगराज

अस्मिता खजांची ने संस्था के बारे में तैयार की गयी फिल्म का भी प्रस्तुतिकरण दिया। चर्चा के पश्चात् प्रतिनिधि मंडल ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग का भ्रमण किया एवं स्टूडियो की प्रक्रिया को समझा। श्रीलंका के प्रतिनिधियों को स्टूडियो में कार्यक्रम निर्माण की प्रक्रिया के बारे में प्रो. एस.एस.केदार द्वारा विस्तृत जानकारी दी गयी। विभाग के अन्य सभी तकनीकी सहयोगियों के साथ मिलकर इस अवसर पर प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों द्वारा उनके देश के राष्ट्रगान की रिकॉर्डिंग भी की गयी। इस प्रतिनिधि मंडल के भ्रमण का प्रो. सुसन एस. मेथ्यू द्वारा समन्वयन किया गया एवं पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल की ओर से डॉ. मेहरोत्रा ने समन्वयन किया।

म.प्र. तकनीकी शिक्षा संचालनालय द्वारा भावी कार्ययोजना हेतु कार्यशाला

दिनांक 16 अक्टूबर 2018 को म. प्र. शासन द्वारा आयोजित भावी कार्ययोजना में प्रमुख सचिव, तकनीकी शिक्षा ने अपने उद्‌बोधन में कहा

कि तकनीकी शिक्षा की दिशा तय करने में लीडर के द्वारा पहल करने की आवश्यकता है। संस्था की ब्रांड वेल्यू विकसित करने की आवश्यकता है। उद्योगों को संस्था की गुणवत्ता की मान्यता की आवश्यकता है। पॉलिटेक्निक को ब्रांड तैयार करने की आवश्यकता है। पॉलिटेक्निक में गेप आईडेन्टिफाई करने की आवश्यकता है। पॉलिटेक्निक से प्लान बनाने के लिए कहा गया था, जिसमें गुणवत्ता का आयाम महत्वपूर्ण रूप से जोड़ने को कहा गया एवं निर्देश दिये गये कि विदेशी कॉलेजों से टाईअप करें एवं विदेशी छात्रों को प्रवेश देवें। उन्होंने कहा कि शिक्षण का तरीका परंपरागत है, जिसमें परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। स्टार्टअप पर जोर देने की आवश्यकता है। मार्च 2017 में एआईसीटीई ने गुणवत्ता हेतु पहल की, जिसके अंतर्गत् 200–220 क्रेडिट से 160 क्रेडिट का पाठ्यक्रम तैयार किया जो एआईसीटीई की वेबसाईट पर उपलब्ध करवाया गया है। परीक्षा में सुधार, आदर्श प्रश्न पत्र बनाये गये हैं। 15 नवंबर से मूल्यांकन पर एआईसीटीई कार्यशाला का आयोजन करेगा। इस कार्यशाला में म.प्र. के इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों में भावी पंचवर्षीय योजना को प्रस्तुत किया जायेगा।

संस्थान के निदेशक डॉ. सी.थंगराज ने म.प्र.शासन के प्रमुख सचिव एवं संस्थाओं को संबोधित करते हुए कहा कि योजना बनाते समय शिक्षा के भविष्य के स्वरूप के बारे में विचार करना आवश्यक है क्योंकि आगे चलकर सब कुछ व्यक्तिगत लर्निंग पर केंद्रित होने वाला है। अतः अद्योसंरचना की इतनी आवश्यकता नहीं होगी, जितना आप सोच रहे हैं। डॉ. थंगराज ने कहा कि तकनीकी संस्थाओं की प्रशिक्षण एवं शोध संबंधी जो भी आवश्यकता होगी एनआईटीटीटीआर, भोपाल उसकी पूर्ति करने का प्रयास करेगा। डॉ. सी. थंगराज ने कहा कि एनआईटीटीटीआर, भोपाल का ''एक्रीडिटेशन फॉर डिप्लोमा इंजीनियरिंग'' प्रोग्राम स्वंयम पर शुरू हो चुका है, जिसे प्रो. बी.एल.गुप्ता एवं उनकी टीम क्रियान्वित कर रही है। पॉलिटेक्निक के प्राध्यापक इसका लाभ ले सकते हैं। इस कार्यशाला में डॉ. सी. थंगराज, प्रो. बी. एल. गुप्ता एवं डॉ. संजय अग्रवाल ने भाग लिया।

मेनिट, भोपाल में ''आउटकम बेस्ड एजूकेशन'' पर कार्यशाला

एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा मौलाना आजाद राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान (मेनिट) भोपाल में 03–07 दिसंबर 2018 तक ''आउटकम बेस्ड एजूकेशन'' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मेनिट भोपाल के निदेशक डॉ. एन.एस. रघुवंशी ने किया। उन्होंने बताया कि यह कार्यशाला एनबीए की टीम के द्वारा पूर्व में की गई विजिट में आउटकम बेस्ड में जो कमी बताई गयी थी उसको पूरा करने के लिए आयोजित की गई है। इस अवसर पर अधिष्ठाता अकादमिक, डॉ. एन.डी. मित्तल, समन्वयक, तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार परियोजना डॉ. राजेश गुप्ता, और एनबीए, मेनिट के समन्वयक डॉ. आर.के. नेमा उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में आउटकम बेस्ड शिक्षा में छात्रों के द्वारा किये गये कार्यो को कैसे बढ़ाया जा सकता है, के बारे में विस्तार से बताया गया। संस्थान के विजन और मिशन को फिर से दोहराया गया। कार्यक्रम शैक्षणिक परिणाम, कार्यक्रम विशिष्ट परिणाम एवं पाठ्यक्रम परिणाम को कैसे प्राप्त किया जा सकता है, पर प्रशिक्षणार्थियों ने कार्य किया। कार्यशाला के

समापन में प्रतिभागियों ने कार्यशाला में दिए गये असाइनमेन्ट को बहुत ही उपयोगी बताया और कहा कि यह कार्यक्रम हमारे संस्थान के संकाय सदस्यों के लिए बहुत ही उपयोगी है। इस कार्यशाला में 28 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. संजय अग्रवाल थे और संकाय सदस्य के रूप में डॉ. डी.एस. करौलिया, डॉ. बी. एल. गुप्ता एवं डॉ. आर.के. दीक्षित ने अपना योगदान दिया।

संचालक मण्डल एवं वित समिति की बैठक संपन्न

बैठक को संबोधित करते चेयरमेन श्री सी.पी. शर्मा

दिनांक 03 नवंबर, 2018 को संस्थान की 142 वीं संचालक मण्डल एवं 88वीं वित्त समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

माननीय प्रधानमंत्रीजी के आई.टी. प्रोफेशनल के साथ संवाद

दिनांक 25 अक्टूबर 2018 को माननीय प्रधानमंत्री के आई.टी प्रोफेशनल के साथ संवाद का सीधा प्रसारण किया गया। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्रीजी ने बताया कि भविष्य में क्या होना चाहिए जिससे हमारे लिये नये वैश्विक अवसर उत्पन्न हो सकें। इसके बाद उन्होंने आईटी और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्षेत्र के उद्यमियों से संवाद किया। प्रधान मंत्रीजी ने इस तकनीकी के माध्यम से किस तरह पूरे विश्व व भारत के जन–जन को आपस में जोड़ सकें, इस पर चर्चा की। कॉरपोरेट कंपनियों द्वारा कार्पोरेट सेशन अपनी जिम्मेदारी के माध्यम से जनहित के लिये किये गये कार्यों का संक्षिप्त विवरण दिया गया व युवाओं को इस क्षेत्र में आगे आने के लिये प्रोत्साहित किया व मोबाइल ऐप और वेब पोर्टल की शुरूआत की।

शोध पत्र एवं शोध प्रस्ताव लेखन पर कार्यक्रम

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा 12–23 नवंबर 2018 तक "शोध पत्र एवं शोध प्रस्ताव लेखन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को शोध के प्रकार, शोध पत्र की संरचना, शोध पत्र लेखन, शोध विधि, शोध प्रस्ताव की संरचना, रिव्यू लेखन आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षणार्थियों ने विभिन्न असाइनमेन्ट के माध्यम से शोध प्रस्ताव तैयार किये। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. बशीरूल्ला शेख थे। संकाय सदस्य रूप में प्रो. पी.के. पुरोहित, डॉ. दीपक सिंह एवं प्रो. संजय अग्रवाल ने अपना योगदान दिया।

पाठ्यक्रमों के विवरण सामग्री पर प्रशिक्षण, सह-कार्यशाला

स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ के डिप्लोमा इंजीनियरिंग के 15 कार्यक्रम की करिकुलम पुर्नरचना करने हेतु दिनांक 03–05 अक्टूबर 2018" पाठ्यक्रमों के विवरण सामग्री" (सेमेस्टर–5) विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण, सह–कार्यशाला का आयोजन बी.आई. टी. दुर्ग, छत्तीसगढ़ में किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पाठ्यक्रम परिणाम आधारित करिकुलम तैयार किये गये। इस कार्यशाला में 67 पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के संकाय सदस्यों ने भाग लिया। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के व्यावसायिक शिक्षा एवं उद्यमिता विभाग द्वारा किया गया। इस परियोजना की समन्वयक डॉ. अंजू रौले, एवं सह–समन्वयक डॉ. पीयूष वर्मा सहित संस्थान के विभिन्न विभागों के 15 संकाय सदस्यों ने अपना योगदान दिया।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर कार्यक्रम

देश की एकता, अखंडता, सुरक्षा को सुरिक्षत व मजबूत बनाए रखने के लिये सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस के अवसर पर दिनांक 31 अक्टूबर 2018 को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया एवं शपथ भी ली गई। इस अवसर पर निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में संस्थान के अधिकारियों / कर्मचारियों / विद्यार्थियों ने भाग लिया एवं बच्चों के द्वारा पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया गया। सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए। साथ ही कैंडिल मार्च का आयोजन भी किया गया जिसमें अधिकारी / कर्मचारी / विद्यार्थियों एवं प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 82वीं तिमाही बैठक संपन्न

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 82वीं तिमाही बैठक दिनांक 06 दिसंबर 2018 को संपन्न हुई। बैठक के प्रारम्भ में समिति की सचिव श्रीमती शोभा लेखवानी ने राजभाषा समिति के अध्यक्ष प्रो. सी.थंगराज का स्वागत किया। इसके बाद अध्यक्ष महोदय की अनुमति से सचिव द्वारा बैठक की कार्रवाई मदवार की गई। बैठक में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य शामिल हुए।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति भोपाल की द्वितीय बैठक संपन्न

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति भोपाल की वर्ष 2018 की द्वितीय बैठक दिनांक 24 दिसंबर 2018 को योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल में आयोजित की गई। बैठक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष डॉ. सी. थंगराज की अध्यक्षता संपन्न हुई। बैठक में डॉ. श्रीधरन, निदेशक, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल एवं अन्य सदस्य कार्यालयों के प्रमुख एवं राजभाषा अधिकारी उपस्थित थे।

रोजगार कौशल को बढ़ाने पर प्रशिक्षण

विस्तार केन्द्र पुणे में दिनांक 22–26 अक्टूबर 2018 तक "रोजगार कौशल बढ़ाना" विषय पर, प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में रोजगार कौशल को कैसे बढ़ाया जाये, के बारे में विस्तार के साथ बताया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने रोजगार को बढ़ाने पर अपना उद्बोधन दिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाराष्ट्र राज्य के तकनीकी संस्थानो के प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षणार्थियों को पॉलिटेक्निक स्थित मर्सडीज बेंच द्वारा स्थापित प्रशिक्षण केन्द्र का भ्रमण भी कराया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अतुल मिश्रा थे।

परिवर्तन और अकादमिक उत्कृष्टता प्रबंधन पर कार्यक्रम

संस्थान के प्रबंधन विभाग द्वारा 08–12 अक्टूबर 2018 तक "परिवर्तन और अकादमिक उत्कृष्टता प्रबंधन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को संचालन, प्रस्तुतिकरण, समूह चर्चा, अनुभवों का आदान प्रदान, केस विधि एवं स्वयं मूल्यांकन पद्धतियों के बारे बताया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 15 पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. आर.बी. शिवगुण्डे थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो पराग दुबे ने अपना योगदान दिया।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय गुरुग्राम मे प्रशिक्षण

संस्थान की और से बी.वाक/डी.वाक संस्थाओं के लिए श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, गुरूग्राम में दिनांक 04–06 दिसम्बर 2018 तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 42 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. पीयूष वर्मा थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. एम.ए. रिजवी ने अपना योगदान दिया।

प्रो. आशीष देशपाण्डे की आई.आई.टी.कानपुर एवं एनटीयू, सिंगापुर में सहभागिता

संस्थान के प्रबंधन विभाग के प्रो. आशीष देशपाण्डे ने आई.आई.टी. कानपुर में 19–30 नवंबर 2018 तक एवं एन.टी.यू. सिंगापुर में "अकादमिक कार्यक्रम के लिये नेतृत्व" प्रशिक्षण में भाग लिया। यह कार्यक्रम मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित था।

इण्डक्शन फेस -2 पर कार्यक्रम

संस्थान के शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा 22 अक्टूबर से 02 नवंबर 2018 तक "इण्डक्शन फेस–2" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को प्रभावी पाठ्यक्रम कार्यान्वयन में शिक्षकों की भूमिका स्पष्ट करना, प्रयोगशाला में विभिन्न प्रकार के प्रयोगों के डिजाईन करना, कार्यान्वयन और मूल्यांकन के आवश्यक तत्वों के साथ परियोजना बनाना जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान करना था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 36 पॉलिटेक्निक / इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अंजना तिवारी थी। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. बशीरूल्ला शेख, प्रो. आर.जी. चौकसे एवं डॉ. के. जेम्स मथाई ने अपना योगदान दिया।

पढ़े भोपाल पर कार्यक्रम

संस्थान में विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत विकसित करने हेतु **"पढे भोपाल"** कार्यक्रम दिनांक 09 अक्टूबर 2018 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में पुस्तक पढ़ने की रूचि विकसित करना था। कार्यक्रम में संस्थान के ग्रंथालय में एम.ई. एवं एम.टेक के विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर कार्यक्रम

संस्थान में दिनांक 11 नवम्बर 2018 को मौलाना अबुल कलाम आजाद के शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान को अविस्मरणीय बताते हुए उनके जन्म दिवस को "राष्ट्रीय शिक्षा दिवस" के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान हेतु अलीगढ़ मुस्लिम यूनीवर्सिटी के रिटायर्ड प्रो. वद्दुल हक़ सिद्दीकी को आमंत्रित किया गया। उन्होंने मौलाना अबुल कलाम आजाद के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में समस्त अधिकारियों / कर्मचारियों / प्रशिक्षणार्थियों एवं विद्यार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

कार्यस्थल पर तनाव प्रबंधन पर कार्यशाला

विस्तार केन्द्र पुणे में दिनांक 12–16 नवंबर 2018 तक "कार्यस्थल पर तनाव प्रबंधन" विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपने कार्यस्थल पर कैसे तनाव दूर करना है, के बारे में विस्तार से बताया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 11 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. पीयूष वर्मा थे।

रन फार डैमोक्रेसी कार्यक्रम

संस्थान द्वारा दिनांक 17 नवम्बर 2018 को "रन फार डैमोक्रेसी" कार्यक्रम का आयोजन टी.टी. नगर स्टेडियम में किया गया, उक्त कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिक अधिकारी, डॉ. इजहार अहमद के मार्ग दर्शन में संस्थान के पंजीकृत छात्रों ने 2 कि.मी. की दौड़ में हर्षोल्लास के साथ हिस्सा लिया।

विदाई समारोह

संस्थान में कार्यरत वरिष्ठ कर्मचारी श्री पी.के. शर्मा, तकनीकी सहायक (31 अक्टूबर 2018), श्री सी.के. चव्हाण, डिजाइन ड्राफ्टस्मैन,(30 नवंबर 2018), श्री के.एन. कुट्टी, वरिष्ठ आशुलिपिक,(30 नवंबर 2018) एवं श्री दीपक चव्हाण, इलेक्ट्रिशियन,(30 नवंबर 2018) को उनकी अर्धवार्षिकी आयु पूर्ण करने पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। आप सभी के स्वस्थ एवं सफल जीवन हेतु संस्था परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

दिवंगत आत्मा का श्रद्धांजलि

संस्थान के वरिष्ठ सेवानिवृत्त कर्मचारी स्व. श्री रतनलाल सोनी,एमएसए दिनांक 20 दिसंबर 2018 को हमारे बीच नहीं रहे। निटर परिवार की ओर से दिवंगत आत्मा को श्रंद्धाजलि।

एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा अक्टूबर नवम्बर दिसम्बर 2018 में संपन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम

No.	Title of the Programme	Duration	Venue
1	Second training-cum-course detailing programme for Group 1 (CE,ME,AE)	03-05 Oct.18	RC Pune
2	Management of Change and Innovation for Academic Excellence	08-12 Oct.18	NITTTR Bhopal
3	Network Management and Administration in Linux	22-26 Oct.18	NITTTR Bhopal
4	PLC SCADA	22-26 Oct.18	NITTTR Bhopal
5	Enhancing Employability Skill	22-26 Oct.18	RC Pune
6	Induction Programme Phase I	22 Oct.-02 Nov.18	NITTTR Bhopal
7	Induction Programme Phase II	22 Oct.-02 Nov.18	NITTTR Bhopal
8	Induction Phase-I	22 Oct.-02 Nov.18	RC Ahmedabad
9	Induction Programme Phase I	22 Oct.-02 Nov.18	CWIT Pune
10	Induction Programme Phase II	22 Oct.-02 Nov.18	GP Nagpur
11	Instructional Material Design and Production for Open Education Resources (ITEC)	24 Sept.-05 Oct.18	NITTTR Bhopal
12	Empowering Women through Technical Education (ITEC)	29 Oct.-02 Nov.18	NITTTR Bhopal
13	Marketing of Educational services	29 Oct.-02 Nov.18	NITTTR Bhopal
14	Quality control aspects in construction industry	12-16 Nov. 18	NITTTR Bhopal
15	Soil Mechanics and Soil Testing	12-16 Nov. 18	NITTTR Bhopal
16	Stress Management at Workplace	12-16 Nov. 18	RC Pune
17	Induction Programme Phase II	12-23 Nov. 18	NITTTR Bhopal
18	Research Paper and Research Proposal Writing	12-23 Nov 18	Bhopal
19	Python programming	12-16 Nov. 18	NITTTR Bhopal
20	E-content Development for technical topics, themes	19-30 Nov 18	NITTTR Bhopal
21	Training of Trainers on Green TVET (ITEC)	19-30 Nov 18	NITTTR Bhopal
22	Structural Design using STRUDS	26-30 Nov. 18	NITTTR Bhopal
23	Web based Courseware Development	26-30 Nov.18	NITTTR Bhopal
24	Research Methods and Academic Writing	26-30 Nov. 18	RC Ahmedabad
25	Structural Analysis using ANSYS	26-30 Nov. 18	NITTTR Bhopal
26	Induction Programme Phase I	26 Nov.- 07 Dec.18	NITTTR Bhopal
27	Induction Programme Phase I	26 Nov.- 07 Dec.18	GP Mumbai
28	Green Technologies and green fuels for Sustainable Development	03-07 Dec. 18	NITTTR Bhopal
29	Web based Application development using PHP	03-07 Dec.18	NITTTR Bhopal
30	Web based Application development using PHP	03-07 Dec.18	NITTTR Bhopal
31	Quality Management Tools and techniques	03-07 Dec.18	RC Pune
32	Procurement and Inventory Control	03-07 Dec.18	RC Pune
33	Web based Application development using PHP	03-07 Dec.18	NITTTR Bhopal
34	Technology Enabled Teaching -Learning	10-14 Dec 18	NITTTR Bhopal
35	Advanced Java Framework (Spring, Hibernate and Java Server Faces)	10-14 Dec.18	NITTTR Bhopal
36	Advanced Java Framework (Spring, Hibernate and Java Server Faces)	10-14 Dec.18	NITTTR Bhopal
37	Advanced Java Framework (Spring, Hibernate and Java Server Faces)	10-14 Dec.18	NITTTR Bhopal
38	Mechatronics	10-14 Dec.18	NITTTR Bhopal
39	Managerial Skills for Technical Teachers and Administrators(ITEC)	10-21 Dec 18	NITTTR Bhopal
40	Induction Programme Phase II	10-21 Dec.18	NITTTR Bhopal
41	Induction Programme Phase II	10-21 Dec.18	GP Pune
42	Induction Programme Phase II	10-21 Dec.18	GP Mumbai
43	Advances in Web Development	17-21 Dec.18	NITTTR Bhopal
44	Advances in Web Development	17-21 Dec.18	NITTTR Bhopal
45	XAdvances in Electrical Engineering	17-21 Dec.18	NITTTR Bhopal
46	LAB VIEW for Engineering and Science	17-21 Dec.18	NITTTR Bhopal
47	Maintenance aspects in various civil engineering structures	17-21 Dec.18	NITTTR Bhopal
48	Advances in Web Development	17-21 Dec.18	NITTTR Bhopal
49	Induction Programme Phase I	31 Dec-11 Jan 19	NITTTR Bhopal

एनआईटीटीटीआर भोपाल में आयोजित विभिन्न गतिविधियाँ

निटर भोपाल में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम

निटर भोपाल में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

विदाई समारोह

प्रबंधकीय कौशल पर कार्यक्रम

संरक्षक : प्रो. सी. थंगराज, निदेशक, संपादक : प्रो. पी. के. पुरोहित, सह–संपादक : श्रीमती शोभा लेखवानी,
सहयोग : श्रीमती अनिता लाला, टंकण : श्री सुधीर त्रिपाठी, छायांकन : श्री रितेन्द्र पवार

आन्तरिक वितरण हेतु राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल द्वारा प्रकाशित एवं भंडारी ऑफसेट प्रिंटर्स द्वारा मुद्रित